FREE LIBRARIES NETWORK
India & South Asia

फ्री लाइब्रेरीज ज़िंदाबाद

नेटवर्क समाचार का त्रैमासिक दौर

अंक **3** जुलाई **2022**- सितंबर **2022**

पुस्तकालय आम जनता के लिए

पुपुस्तकालय का मूल्य किताबों और पठन सामग्री के भंडार से कहीं अधिक है। जब ठीक से क्यूरेट किया जाता है, यह महत्वपूर्ण सोच, पुनर्कल्पना और सामूहिक विचार-विमर्श के लिए एक स्थान बन सकता है। जब ऐसे स्थान जनता के लिए उपलब्ध होते हैं, यहां तक कि सीमित वित्तीय साधनों वाले लोगों के लिए, और विशेष रूप से जिन्हें सिवल सोसाययटी के अन्य स्थानों से वंचित रहते है, तो पुस्तकालय उनमें लोकतंत्र की भावना पैदा करता है। और तो और ये स्पेसिस ऐसे मुद्दों में भी हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करते हैं सामाजिक जो उनके वर्तमान को प्रभावित करते हैं और उनके भविष्य को आकार देते है। इस वजह से समुदाय सक्रिय होते हैं और अपने कल्पनाओं की समाज के निर्माण में भाग लेते हैं या लेना चाहते हैं।

हम, एफ.एल.एन में, उन पुस्तकालयों की आवश्यकता को पहचानते हैं जो इस देश के नागरिकों और निवासियों के दिमाग को टैगोर के शब्दों में "बिना किसी डर के"; और "हमेशा व्यापक विचार और कार्रवाई में ले जाने" की अनुमति देते हैं। एक नई कानूनी पहचान के साथ-साथ, हम आने वाली चुनौतियों के प्रति सचेत हैं। जिस में से एक चुनौती रहेगी, शून्य सदस्यता शुल्क पर पठन सामग्री, कार्यक्रम, ज्ञान संसाधन और जानकारी प्रदान करना। हमारे सदस्यों के हार्दिक प्रयासों से हमें जो प्रेरणा मिली है - जैसा कि आप इस समाचार पत्र में पढ़ेंगे - हमें आशा, सपने और आकांक्षा के लिए प्रोत्साहित करती है!

जतिन ललित सिंह, जनरल सेक्रेटरी, एफ.एल.एन
अभिषेक व्यास, कोर टीम, बांसा कम्युनिटी लाइब्रेरी

हम हैं एफ.एल.एन !

एफ.एल.एन सदस्य फ्री पुस्तकालयों के निर्माण, संचालन और प्रचार के लिए काम करते हैं जो जाति, वर्ग, धर्म, लिंग और यौन पहचान या विकलांगता के पूर्वाग्रह के बिना सभी का स्वागत करते हैं। हम सभी के लिए पुस्तकों तक मुफ्त पहुंच सुनिश्चित करने और नए पाठकों बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं, जिनके पास शायद स्वयं ऐसा करने का साधन अभी नहीं है।

वेबसाइट- **https://www.fln.org.in/**
ट्विटर: **@FreeLibNetwork**
इंस्टा: **@freelibrariesnetworkfln**
फेसबुक:
https://www.facebook.com/freelibrariesnetworkFLN
ईमेल:
freelibrariesnetworkfln@gmail.com
और पुस्तक वितरण के लिए:**booksforallFLN@gmail.com**

एफ. एल. एन कार्यक्रम और कार्यशालाएं

सार्वजनिक पुस्तकालयों पर भारतीय नीति | प्रीदीप बालाजी के साथ बातचीत- 17 Sep 22

इस सत्र में **65** से अधिक प्रतिभागियों के साथ, एफ.एल.एन ने आई.आई.एच.एस के वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष प्रीदीप बालाजी को सार्वजनिक पुस्तकालयों के संबंध में भारतीय नीति और कानून के बारे में बोलने के लिए आमंत्रित किया। **(**सरकारी सहायता प्राप्त, वित्त पोषित, प्रबंधित या संचालित**)** प्रदीप के शोध और अन्य संसाधनों के लिंक नीचे दिए गए हैं। सत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय नीति के लिए राष्ट्रीय या केंद्रीय नीति या कानून की कमी का खुलासा किया गया । पुस्तकालय एक राज्य का विषय है और प्रदीप ने राज्य के विधानों और राज्य के फंडिंग मॉडल का व्यापक अवलोकन दिया। उन्होंने सार्वजनिक पुस्तकालय की अस्पष्ट परिभाषा और पुस्तकालय के बुनियादी ढांचे के लिए राज्य पुस्तकालय विभागों द्वारा सार्वजनिक धन एकत्र करने, उपयोग करने और तैनात करने के लिए कानून में अंतराल की ओर इशारा किया। सत्र ने यह भी बताया कि हमारे पास कितना कम डेटा है। भारत में सार्वजनिक पुस्तकालयों की संख्या, पुस्तकालयों पर प्रति व्यक्ति खर्च जैसी बुनियादी चीजों पर विरोधाभासी संख्याएं हैं। राज्य पुस्तकालय बजट आदि के बारे में बहुत कम जानकारी है। पुस्तकालय पर राष्ट्रीय मिशन के लेटेस्ट सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र को को ठीक से कवर नहीं किया। प्रश्नोत्तर सत्र में, सदस्यों ने गैप्स के बारे में डिसकस किया और स्थानीय सरकारों के साथ काम करने पर अपने अनुभव को साझा किया। सत्र में नीति के अभाव और अर्जेन्सी की कमी को बहिष्करण की पृष्ठभूमि में देखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

Some Links: Paper published by Preedip Balaji : Policy review of Public Libraries in India (contains link to download PDF) 2. How much does India spend on its libraries? 3. How can India spread the joy of reading to all National Mission on Libraries reports- 1. Quantitative and Qualitative Survey:. See also : http://rrrlf.nic.in - under tabs NML (see schemes) and tab Public Library system. You tube link to the talk: https://www.youtube.com/watch?v=31sNW0mOOwI

अन्य एफ. एल. एनसमाचार

एफ.एल.एन सभी सदस्य बैठक | 27 Aug 22

एफ.एल.एन की पहली सभी सदस्य बैठक **27** अगस्त **2022** को आयोजित की गई थी। लगभग **71** सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने मुफ्त पुस्तकालय स्थापित करने और पहुंच बढ़ाने के लिए पुन: प्रतिबद्ध किया। एफ.एल.एन सदस्यों का काम इस मिथक को तोड़ना है कि पढ़ना - शिक्षा के लिए, आनंद के लिए या बौद्धिक खोज के लिए - जाति, वर्ग, धर्म, लिंग, क्षमता और यौनिकता के आधार पर एक समुदाय तक सीमित है।

बैठक में हुई चर्चा का संक्षिप्त विवरण:

• एफ.एल.एन कार्यक्रम: सभी कार्यक्रमों के लिए पुस्तकें, ";प्रकाशक, लेखक और चित्रकार कॉम्पैक्ट", कार्यशालाएँ और वेबिनार, **FLN** का त्रैमासिक समाचार पत्र पेश किया गया।

• उत्कृष्टता के पुस्तकालयाध्यक्षता मानक: बांसा पुस्तकालय के जतिन ने इस बारे में बात की कि एफएलएन सदस्यों और मुफ्त पुस्तकालय कार्यकर्ताओं के लिए उत्कृष्ट पुस्तकालय सेवाओं का निर्माण करना क्यों महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहाँ ऐसी पुस्तकालय सेवाएं इस मिथक को ध्वस्त करने के लिए आवश्यक हैं, जो कि यह विचार धारणा फैलाती हैं की मुफ्त और पहुंच का मतलब उपपर हैं, की पढ़ने की पहुंच एक अधिकार है न कि एक परोपकार का कार्य। जतिन ने एक प्राइमर साझा किया जिसमें एक मुफ्त सामुदायिक पुस्तकालय की प्रमुख विशेषताएं रखी गईं। एफ.एल.एन सदस्य इस ढांचे का उपयोग खुद को व्यवस्थित करने के लिए कर सकते हैं और यह प्लान करने के लिए कि उनकी लाइब्रेरी कैसे विकसित हो सकती है **(**वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न अनुभाग का लिंक देखें**)**

• सॉलिडेरिटी (एकजुट्टा) : रीडिंग स्टार्स इंडिया की शहनाज़ ने एक पुस्तकालय कार्यकर्ता और फ़्री सामुदायिक पुस्तकालय पुस्तकालयाध्यक्ष के अकेलेपन के बारे में बात की। उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप पर पिछली बातचीत के उदाहरण साझा किए जहां छोटी और बड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई और एफएलएन सदस्यों ने एक-दूसरे का समर्थन किया। उन्होंने सदस्यों के एक-दूसरे की आवाज़ बुलंद करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कैसे एफ.एल.एन सामूहिक है, और अपने समय, ज्ञान, ऊर्जा और संसाधनों के साथ व्यक्तिगत सदस्यों की उदारता से अपनी ताकत प्राप्त करता है।

• संरचना और नेतृत्व: आरती ने एफएलएन की संरचना और वर्तमान नेतृत्व की शुरुआत की। अमित ने एक ऐसा भविष्य साझा किया जहां एफ.एल.एन नेतृत्व में सदस्यों के निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह जानने के लिए कि एफएलएन कोर टीम और कार्यकारी निकाय कौन बनाता है, कृपया **www.fln.org.in/members** . पर जाएं

भाग लेना!

यदि आपके पास कार्यशाला या वेबिनार के लिए विचार हैं, यदि आप अंग्रेजी दस्तावेज़ों को स्थानीय भाषा **(**या इसके विपरीत**)** में अनुवाद कर सकते हैं, यदि आप नए प्रकाशकों, लेखकों और रचनाकारों को एफ.एल.एन फोल्ड से परिचित करने में मदद कर सकते हैं या यदि आप एक नए पुस्तकालय का मार्गदर्शक बनना चाहते हैं कृपया हमें **freelibrariesnetworkfln@gmail.com** पर लिखें। आप अपने संघर्षों के बारे मे, जिन मुद्दों पर आपको सहायता की आवश्यकता है, इस पर विचार कि एफएलएन को सामूहिक रूप से क्या करना चाहिए पर भी लिख सकते

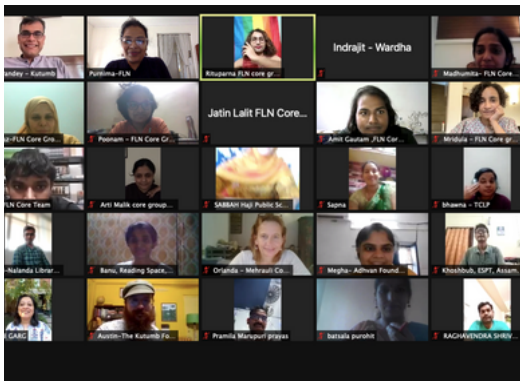

लिंक

एफ.एल.एन ऑल मेंबर मीट का यू-ट्यूब लिंक - ऑल मेंबर मीट की रिकॉर्डिंग।

https://www.fln.org.in - FLN की वेबसाइट को देखें और सभी को FLN से परिचित कराने के लिए इसे कॉलिंग कार्ड के रूप में उपयोग करें। कुछ उपयोगी खंड: "Resources": पिछले एफएलएन (और टीसीएलएन) कार्यशालाओं और वेबिनार का संग्रह और कुछ उपयोगी पुस्तकालय अभ्यास दस्तावेज। "FAQs": यह एक विशेष रूप से उपयोगी पृष्ठ है, जो जवाब देता है कि - एफ.एल.एन सदस्यता क्या है? मुक्त पुस्तकालयों का समर्थन कैसे करें? आदि। अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न अनुभाग में मॉडल मुक्त पुस्तकालयों के लिए चेकलिस्ट देखें। Members: पृष्ठ में साथी सदस्यों और नेतृत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करें। FLN Advocacy अनुभाग में प्रकाशकों, लेखकों और चित्रकारों के लिए एफ.एल.एन कॉम्पैक्ट पढ़ें, साथ ही अन्य एफ.एल.एन समर्थन प्रयासों की जानकारी भी पढ़ें।

Booksforallfln@gmail.com - सभी कार्यक्रम की पुस्तकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए

व्हाट्सएप ग्रुप: freelibrariesnetworkfln@gmail.com पर लिखें। सदस्यों के लिए व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा जाएगा।

सदस्य पुस्तकालयों पर स्पॉटलाइट

फ्री लाइब्रेरी नेटवर्क के कुछ सदस्यों का परिचय। हमारे एफ.एल.एन पुस्तकालयों के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया यह कॉलम देखें

चैत्र टी एस के साथ बातचीत। बुगुरी पुस्तकालय कार्यक्रम

हसीरू डाला की एक पहल, कर्नाटका और आंध्र प्रदेश में, ये पुस्तकालय कूड़ा बीनने वाले समुदाय के लोगों के लिए शुरू हुई हैं । 2017 में स्थापित, यह बैंगलोर, तुमकुरु, मैसूर, हुबली-धारवाड़ और राजामुंद्री में संचालित है । बुगुरी पुस्तकालय 1500 से अधिक पाठकों तक पहुंचते हैं, जिसमें ज़्यादातर बच्चे शामिल हैं । **पाठकों से जुड़ाव**: पुस्तकालय समुदाय से अभिनय, खेल, कार्यशालाओं आदि से जुड़े रहते है। बच्चे पुस्तकालय से जुड़ी विभिन्न प्रकारियाओं में भाग लेते है, जैसे पुस्तकालय को सजाना, प्रबंधित करना एवं उससे जुड़े अपने विचार साझा करना, पुस्तकों का चयन करना आदि। **सामुदायिक जुड़ाव**: समुदाय से जुड़े रहें के लिए, कई इवेंट्स, कार्यशालाएँ, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं। इसमें से एक उदाहरण 'पुस्तक पॉप-अप' का है, जिसे पुस्तकालय के सदस्य एक या दो दिन के लिए सार्वजनिक जगहों में चलाते हैं । इसमें बच्चे अपनी पसंदीदा पुस्तकों को प्रदर्शित करते हैं, कहानियाँ पढ़कर सुनाते हैं (रीड अलाउड्स) और छोटे बच्चों के साथ एक्टिविटीज कराई जाती हैं । पुस्तकालय कार्यक्रमों पर समुदाय के विचार भी मांगे जाते है। **स्टैंड आउट लाइब्रेरी मोमेंट**: चैत्र कहानी, नाटक, और एक किताब पढ़ने के बाद बातचीत से प्रेरित होती हैं - बच्चों की व्याख्या और कैसे वे कहानी को अपने जीवन के साथ रिलेट करते है। (इस्मैथ ईद, मुकुंद औररियाज़, दी माउंटेन दैट लव्ड अ बर्ड उनके लिए स्टंडउत हैं) **नेटवर्क का पावर**: बुगुरी को एफ.एल.एन सदस्यों और कार्यशालाओं से ज्ञान और संसाधन से लाभ हुआ हैं। वे पुस्तकालय प्रथाओं, पुस्तक चर्चा सत्र या नीतिगत मुद्दों पर चर्चा (जैसे शिक्षा-नीति) पर अधिक कार्यशालाएँ चाहते हैं । विशिष्ट विषयों पर जानकारी के लिए, नेटवर्क टेम्पलेट/मॉड्यूल तैयार कर सकता है जिसका प्रत्येक सदस्य उपयोग कर सके।

बुगुरी पुस्तकालयों में शीर्ष 3 पुस्तकें

यू तो बुगुरी के अलग-अलग पुस्तकालयों की अपनी-अपनी पसंदीदा किताबें हैं, लेकिन चे सभी बुगुरी पुस्तकालयों की सबसे पसंदीदा किताबें दी गई हैं:

1. द माउंटेन दैट लव्ड द बर्ड लेखक: एलिस मैकलेरन, चित्रकार: स्टीफन एटकेन
2. लॉस्ट एण्ड फाउंड
लेखक और चित्रकार: ओलिवर जेफर्स
3. बिबिलोबुरो लेखक और चित्रकार: जेनेट विंट

स्पेशल शाउट आउट: बुगुरी पुस्तकालय के बच्चे लेखक और पुस्तक निर्माता बन गए हैं । एक पुस्तकालय गतिविधि के दौरान उन्होनें दो प्यारी किताबें बनाई हैं । माहवारी से जुड़ी स्थानीय प्रथाओं और रीति-रिवाजों पर ऐ रीना और एक व्यंजनों की किताब ;ऊटा ऐथा। ये पुस्तकें सभी बुगुरी पुस्तकालयों में उपलब्ध हैं । ऐतिहासिक स्थान,बेलूर और हेलबिड की यात्रा पर आधारित एक अन्य पुस्तक पर काम चल रहा है ।

साकिब अहमद के साथ बातचीत | सीमाचल लाइब्रेरी फाउंडेशन

सीमाचल लाइब्रेरी फ़ौनडेशन में तीन पुस्तकालय शामिल हैं:1.फातिमा शेख पुस्तकालय, दमलबाड़ी गांव, 2.रुक्या सखावत पुस्तकालय, जनता कन्हैयाबरी, कोचधामन, 3.सावित्री बाई फुले पुस्तकालय, मदारू टोला बेलवा हाट तीनों पुस्तकालय बिहार के किशनगंज जिले में स्थित हैं। वे कई वर्षों से अनौपचारिक रूप से और 2021 से औपचारिक रूप से काम कर रहे हैं। पुस्तकालयों में लगभग 1000 सदस्य जुड़े हैं, जिनमें से अधिकांश युवा और किशोर लड़कियां हैं।

पाठकों से जुड़ाव: पढ़कर सुनाना (रीड अलाउड्स) और पुस्तकालय से जुड़े खेल-गतिविधियों द्वारा पाठकों का जुड़ाव सुनिश्चित किया जाता हैं। साकिब का मानना है कि सदस्य अक्सर तब जुड़ते और लौटते हैं जब उनके विचारों को सुना जाए और उन्हें सम्मानित महसूस कराया जाए। **सामुदायिक जुड़ाव:** पुस्तकालय नियमित रूप से पुस्तक मेलों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन करके समुदाय के लोगों के साथ जुड़ता है। वे समुदाय के नेताओं के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखते हैं और कठिन परिस्थितियों को दूर करते हैं | जैसे,जब पुस्तकालय में कुछ पुस्तकों पर समुदाय का विरोध था या पुस्तकालय द्वारा प्रोत्साहित किए जाने वाले दृष्टिकोण के प्रति आपत्ति जताई गई थी, तब वे निरंतर और सम्मानजनक संवाद के साथ इन चुनौतियों का सामना करने में विश्वास रखते हैं। **स्टैंड आउट लाइब्रेरी मोमेंट:** साकिब को याद है जब एक 14 साल की लड़की ने जाति पर एक पुस्तिका पढ़ी थी और वह उस विषय के प्रति जागृत हुई थी | उसने तब भेदभाव को समझा और भेदभाव की छाया को अपने जीवन में देखा। जिन कार्यों और व्यवहारों को वह सामान्य या सही समझती थी, वे अब उसे अन्यायपूर्ण दिखाई दे रहे थे । इससे एक अधिक न्यायसंगत समाज बनाने के लिए एक साथ काम करने के तरीके पर बातचीत शुरू हुई । **नेटवर्क पावर:** साकिब ने एफ.एल.एन सदस्यों से किताबों का चुनाव (बुक क्यूरेशन), लाइब्रेरी प्रथाएँ आदि के बारे में सीखा । सबके सहयोग के साथ, एफ.एल.एन बहुत कुछ कर सकता है, जिसमें स्थानीय भाषा की बों, विशेष रूप से हिंदी तक, पहुंच बढ़ाना शामिल है। शारीरिक बैठक द्वारा सभी एफ.एल.एन के साथियों को एकजुट बनाने में मदद मिल सकती हैं।

सीमाचल लाइब्रेरी फाउंडेशन पुस्तकालयों में शीर्ष 3 पुस्तकें

कुल मिलाकर साकिब ने देखा कि एकलव्य और प्रेमचंद की पुस्तकें लोकप्रिय हैं।

1. प्रेमचंद की कहानियाँ
2. पंचतंत्र की कहानियाँ
3. चित्र पुस्तक जैसे अकबर बीरबल की कहानी, स्कूल मस्त हैं ,आदि।

सीमांचल लाइब्रेरी फाउंडेशन फेसबुक: **@seemanchallibraryfoundation** इंस्टाग्राम: **@seemanchal_library_foundation** ट्विटर **@libraryBihar** ईमेल: **semanchallibraryfoundation@gmail.com** फोन: **+91 9771070709**

महिमा के साथ बातचीत | रंग कारवां

रंग कारवां चंपावत, उत्तराखंड में संचालित एक फ्री लाइब्रेरी है जो अनौपचारिक रूप से 2020 से 6-10 वयस्क सदस्यों के साथ चल रही है। हालाँकि, फरवरी 2022 से, पुस्तकालय की पुनः नींव रखी गई है और अब लगभग 60-100 बच्चे हैं जो नियमित रूप से पुस्तकालय में आते हैं।

पाठकों से जुड़ाव: नृत्य, संगीत, रंगमंच और अन्य कला कार्यक्रमों द्वारा पाठकों को पुस्तकों से अधिक जोड़ा जा सकता हैं। जैसे ही पुस्तकालय ने इन कार्यक्रमों को अपनाया, महिमा ने यह देखा कि सदस्य बार-बार और हर बार एक नए दोस्त के साथ आने लगे है।

ससामुदायिक जुड़ाव: पुस्तकालय समुदाय के सदस्यों के साथ सक्रिय संवाद में विश्वास रखता है और यह समझता है कि उन्हें किस चीज़ की आवश्यकता हैं। शुरुआत में, उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा लगाया और समुदाय को रंग कारवां से परिचित कराने के लिए समुदाय के लोगों के सामने प्रदर्शन और उनके साथ गतिविधियाँ कीं। **स्टैंड आउट लाइब्रेरी मोमेंट:** ऐसे क्षण लाइब्रेरी की सदस्यता को लगभग रातोंरात दोगुना और तिगुना देखना, ऐसे क्षण जहाँ read aloud के दौरान बच्चे स्वयं के पक्ष को प्रदर्शित करते है जिसे उन्होंने दमित किया हुआ था एवं ऐसे क्षण जहाँ बच्चे खुद को व्यक्त करने में सहज होना सीखते हैं। **नेटवर्क पावर:** महिमा को पाठकों से जुड़ाव और किताबों को व्यवस्थित करने की सलाह अमूल्य लगी। वह यह भी मानती हैं कि प्रकाशकों ने उचित दरों पर गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें देकर उनकी बहुत मदद की। वह एफ.एल.एन के लिए सभी सदस्यों की एक शारीरिक बैठक चाहती है जिसके द्वारा एफ.एल.एन की गतिविधियों मज़बूत होगी । कृपया इससे कैसे संभव किया जा सकता हैं इस पर अपने विचार करे।

सीमांचल पुस्तकालयों में शीर्ष 3 पुस्तकें

कुबार-बार यह 3 किताबों को चुना जा रहा हैं: 1. मायिल विल नॉट बी क्वाइट लेखक: निवेदिता सुब्रमण्यम और सौम्या राजेंद्रन, चित्रकार: निवेदिता सुब्रमण्यम 2. आई विश लेखक: भारत भर के सोलह बच्चे अपनी इच्छाओं को साझा करते हुए; प्रथम बुक्स द्वारा प्रकाशित 3. क्लम्सी लेखक: केन स्पिलमैन, चित्रकार: मंजरी चक्रवर्ती

रंग कारवां वेबसाइट: https://www.rangkarwan.org/ फेसबुक: https://www.facebook.com/RangKarwanOnline इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/rangkaarwaan/ ईमेल: hi.rangkarwan@gmail.com

सिर्फ एक सवाल

हमारे और हमारे पुस्तकालयों को चलाने से संबंधित कुछ सोच-विचार और विमर्श के लिए:

कुछ समुदाय के लोगों को पढ़ने से वंचित क्यों रखा जाता है? मेरा पुस्तकालय इस झूठ को कैसे चुनौती देता
है कि कला, किताबें और सोच की अनुमति केवल ";योग्य" लोगों के लिए है? मेरा पुस्तकालय कैसे प्रदर्शित
कर सकता है कि मुफ्त सदस्यता के साथ जीवंत, सक्रिय और उच्च-गुणवत्ता वाली पुस्तकालय की सेवाओं भी
प्राप्त की जा सकती है?